जर्मनी दौरे से यूपी को निवेश की नई रफ्तार, उन्नत रेल तकनीक पर जोर

केशव मौर्य ने जर्मनी में औद्योगिक बैठकों में साधे निवेश व रक्षा सहयोग के सूत्र

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जर्मनी प्रवास के दौरान यूपी में वैश्विक निवेश और तकनीकी सहयोग की संभावनाओं को नई दिशा दी है। औद्योगिक बैठकों, डिफेंस इन्वेस्टर्स कॉन्क्लेव और प्रवासी भारतीय सम्मेलन में प्रदेश की निवेश-अनुकूल नीतियों और पारदर्शी शासन मॉडल को रेखांकित कर उन्होंने उन्नत रेल अवसंरचना तकनीक को यूपी में लागू करने की संभावनाएं तलाशीं।

उपमुख्यमंत्री ने रेलवन जीएमबीएच के सीईओ निशांत मित्तल से मुलाकात कर अत्याधुनिक विनिर्माण संयंत्र का निरीक्षण किया। यहां आधुनिक रेलवे ट्रैक प्रणालियों और कंक्रीट स्लीपर निर्माण की तकनीक को देखा। इस दौरान 200 करोड़ रुपये के निवेश पर सहमति बनी। केशव ने कहा कि प्रदेश में तेजी से बढ़ रही आधारभूत परियोजनाओं में इस तकनीक का उपयोग गुणवत्ता और गति दोनों को बेहतर बनाएगा।

उप मुख्यमंत्री ने डिफेंस इन्वेस्टर्स कॉन्क्लेव व भारतीय प्रवासी सम्मेलन में प्रदेश के बदलते आर्थिक परिदृश्य, पारदर्शी शासन व्यवस्था और निवेश-अनुकूल नीतियों के बारे में बताया। कहा, यूपी निवेशकों के लिए भरोसेमंद होने के साथ ही यहां तेजी से औद्योगिक विकास के नए अवसर तैयार हो रहे हैं। पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप प्रदेश वैश्विक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने निवेशकों व प्रवासी भारतीयों से विकास यात्रा में सहभागी बनने का आह्वान किया। ब्यूरो

जर्मनी में डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने रेलवे ट्रैक प्रणाली की तकनीक देखी। -सूचना

वीजा में दिक्कत, ब्रिटेन नहीं जा पाए

जर्मनी और ब्रिटेन के दौरे पर पर गए डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को बीच में ही अपना दौरा रद्द करना पड़ा। वह ब्रिटेन गए बिना लखनऊ लौट रहे हैं। केशव प्रसाद मौर्य को मंत्री सुनील शर्मा के साथ ब्रिटेन के दौरे पर जाना था। भारत सरकार की ओर से एनओसी दे दी गई थी, लेकिन वीजा जारी नहीं हो पाया। कोई तकनीकी पेंच फंसने के कारण समय से ब्रिटेन का वीजा उन्हें नहीं मिल पाया। गौरतलब है कि केशव मौर्य 23 फरवरी को जर्मनी और ब्रिटेन दौरे के लिए रवाना हुए थे।

जर्मनी से ही ब्रिटेन के निवेशकों को जोड़ा

ब्रिटेन की यात्रा स्थगित होने के बाद उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जर्मनी से ही वहां के निवेशकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वन-टू-वन बातचीत की। इस दौरान निवेशकों ने यूपी में निवेश को लेकर सकारात्मक सहमति जताई। निवेशकों को प्रदेश के औद्योगिक रोडमैप, सिंगल विंडो सिस्टम और त्वरित स्वीकृति प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी साझा की गई।